मध्य हिमालय के तहत अब ऑर्गेनिक खेती

कृषि-बागबानी ## प्रोजेक्ट के तहत अब ऑर्गेनिक खेती के लिए किया जा रहा है जागरूक

भास्कर न्यूज़ | सोलन

प्रदेश में ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्तर पर भी प्रयास तेज हो गए हैं। इसी कड़ी में प्रदेश में चल रहे मिड हिमालयन वाटर शैड परियोजना के तहत अब ऑर्गेनिक खेती को भी लोकप्रिय बनाया जा रहा है।

इससे जहां पर्यावरण की रक्षा होगी, साथ ही लोग भी स्वस्थ रहेंगे। प्रदेश के 11 खंडों में मिड हिमालयन वाटरशैड परियोजना चल रहा है।

इसके तहत किसान ऑर्गेनिक खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है। परियोजना के तहत ऑर्गेनिक खेती व आईपीएम विधियों से फसलों की रक्षा कैसे करनी है, इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय के सोलन स्थित एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र (आईपीएम) के विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। आईपीएम सोलन के प्रभारी अधिकारी डॉ. राजेंद्र सिंह ने बताया कि मिड हिमालय वाटर शैड परियोजना के तहत आईपीएम के विशेषज्ञ अब तक सिरमौर जिले की पच्छाद विकास खंड के धार-टिकरी, सोलन जिले के कंडाघाट विकास खंड के ध्यारीघाट, धर्मपुर विकास खंड के कृष्णगढ़ और बिलासपुर जिले के नम्होल व सवार घाट में ऑर्गेनिक खेती पर शिविरों का आयोजिन किया जा चुका है। डॉ. सिंह ने बताया कि शिविरों में उनके अलावा डॉ. रामवीर सिंह किसानों को जागरूक कर रहे हैं।

कीटनाशकों से जहरीली हो रही हैं फल और सब्जियां

डॉ. राजेंद्र सिंह ने बताया कि किसान अपनी फसलों की हानिकारक कीटों से रक्षा के लिए खेतों में कई बार कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे हरे-भरे व ताजा दिखने वाले फल व सब्जियां जहरीली हो रही हैं। इससे हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कीटनाशकों के दुष्प्रभावों के बारे में किसानों व बागबानों को जागरूक किया जा रहा है ताकि पर्यावरण व स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। मिड हिमालयन प्रोजेक्ट के तहत आयोजित होने वाले शिविरों के माध्यम से किसानों को अपनी फसलों की रक्षा बिना कीटनाशकों के प्रयोग से कैसे करनी है, इस बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है।